PLANET NEWS INDIA
हर खबर सच के साथ
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, बुधवार 29 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

UP: 20 लाख बुनकर परिवारों को बिजली के शुल्क में मिलेगी चार गुना की छूट, बड़ी राहत देने की तैयारी में सरकार

हथकरघा मंत्री राकेश सचान ने बुनकरों के साथ की गई बैठक में इस पर चर्चा की। बुनकर प्रतिनिधियों ने बिजली दरों, फ्लैट रेट योजना, पुराने बकाया बिल, सब्सिडी, लोड वृद्धि, मीटरिंग और नए कनेक्शन से जुड़ी समस्याएं उठाईं। उत्तर प्रदेश के करीब 20 लाख बुनकर परिवारों को बड़ी राहत देने की तैयारी है। योगी सरकार अटल बिहारी वाजपेयी पॉवरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना का दायरा मौजूदा पांच किलोवॉट से बढ़ाकर 20 किलोवॉट तक करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मंगलवार को हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बुनकर प्रतिनिधियों ने बिजली दरों, फ्लैट रेट योजना, पुराने बकाया बिल, सब्सिडी, लोड वृद्धि, मीटरिंग और नए कनेक्शन से जुड़ी समस्याएं उठाईं। प्रस्ताव के अनुसार अब पांच से 20 किलोवॉट तक के पॉवरलूम कनेक्शन इसके दायरे में आ जाएंगे। विभाग के अनुसार प्रदेश में 95 हजार से अधिक बिजली कनेक्शन पांच किलोवॉट श्रेणी के हैं, जो कुल पॉवरलूम कनेक्शनों का लगभग 94 प्रतिशत हैं। योजना का दायरा 20 किलोवॉट तक बढ़ने पर करीब 189 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आएगा, जिससे कुल वार्षिक व्यय लगभग 789 करोड़ रुपये हो जाएगा।

बैठक में वर्ष 2006 की नीति के तहत 31 मार्च 2023 तक के बकाया बिजली बिल, विलंब भुगतान अधिभार और ब्याज से जुड़े मामलों पर भी चर्चा हुई। सरकार अप्रैल 2023 से पहले की बकाया राशि के समाधान, ब्याज में राहत, किस्तों की सुविधा और एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लाने पर भी विचार कर रही है। अभी पांच किलोवाट तक कनेक्शन पर 0.5 हार्सपावर पर ग्रामीण क्षेत्र में 300 रुपये और शहरी क्षेत्र में 400 रुपये का फिक्स शुल्क है। एक एचपी पर ये 600 और 800 रुपये है। अब इसी शुल्क में 20 किलोवाट तक का कनेक्शन लिया जा सकेगा।

मशीन भी सब्सिडी के दायरे में आएंगी

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल की पहल पर पहली बार जरी कारीगरों को भी योजना में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री के समक्ष मुद्दा उठाए जाने के बाद जरी निर्माण में इस्तेमाल होने वाली 'बीटाई' मशीनों को भी बिजली सब्सिडी के दायरे में लाने की तैयारी है। इससे अब तक योजना से बाहर रहे हजारों जरी कारीगरों को सीधा लाभ मिलेगा।

Aligarh Weather: काली घटा छाई, सावन से दो दिन पहले ही झमाझम बरसे मेघ, उमस भरी गर्मी से मिली राहत

उमस भरी गर्मी से मिली राहत

काली घटा के बाद जमकर बारिश हुई। बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। 27 जुलाई को पूरे दिन मौसम गर्म रहा। सभी को तेज बारिश का इंतजार था। तेज बारिश से वह इंतजार पूरा हुआ। तापमान में भी गिरावट आई है।

काली घटा के बाद जमकर बारिश हुई। बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। 27 जुलाई को पूरे दिन मौसम गर्म रहा। सभी को तेज बारिश का इंतजार था। तेज बारिश से वह इंतजार पूरा हुआ। सावन शुरू होने से दो दिन पहले ही मंगलवार को करवट ले ली। झमाझम बारिश ने पूरे अलीगढ़ शहर को भिगो दिया। कुछ ही देर की तेज वर्षा से प्रमुख सड़कें, चौराहे और निचले इलाके जलमग्न हो गए। जगह-जगह जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं, इस बारिश ने खेतों में नई उम्मीद जगा दी। धान, मक्का, बाजरा समेत खरीफ फसलों के लिए यह बारिश बेहद लाभदायक मानी जा रही है। बारिश में दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई, जबकि कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित रहा। मौसम सुहावना होने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली, लेकिन जलभराव ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खोल दी। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने बारिश का स्वागत किया। किसानों का कहना है कि समय पर हुई वर्षा से फसलों को पर्याप्त नमी मिलेगी, सिंचाई का खर्च घटेगा और उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद बढ़ी है। सावन की दस्तक से पहले हुई इस बारिश ने शहर में जहां परेशानी बढ़ाई, वहीं गांवों में खुशहाली की उम्मीद जगा दी है।

ड्यूटी में लापरवाही पर पांच पुलिसकर्मी निलंबित, वीरपुरा बाजार में चोरी की घटनाओं पर अंकुश न लगा पाने पर चौकी प्रभारी पर भी कार्रवाई

अलीगढ़। जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग ने लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। ड्यूटी के दौरान निर्धारित जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन नहीं करने और मौके पर अपेक्षित सतर्कता नहीं बरतने के मामले में पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई से संबंधित पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया है। मामले में मौके पर तैनात एसआई दौलतराम, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, हेड कांस्टेबल विमलेश, कांस्टेबल सूरज चौधरी और कांस्टेबल अमरपाल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों के स्तर से की गई समीक्षा में ड्यूटी के दौरान लापरवाही सामने आने के बाद सभी पांचों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। विभागीय अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर अपेक्षित सतर्कता नहीं बरती गई। पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। इसके बाद संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों की ओर से की गई इस कार्रवाई को पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, गभाना थाना क्षेत्र के वीरपुरा बाजार में चोरी की घटनाओं को लेकर भी पुलिस विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा पाने और पुलिसिंग व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं कर पाने के मामले में चौकी प्रभारी एसआई मोहित कुमार को भी निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, चौकी प्रभारी की कार्यप्रणाली में लापरवाही सामने आने और क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाने के चलते उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई। वीरपुरा बाजार क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय स्तर पर भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में चौकी प्रभारी पर हुई कार्रवाई को पुलिस विभाग की गंभीरता से जोड़कर देखा जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस को लगातार गश्त, संदिग्ध लोगों की निगरानी और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी के प्रति पूरी तरह सजग और जिम्मेदार रहना होगा। पुलिस विभाग की ओर से एक साथ छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद महकमे में हड़कंप की स्थिति है। इस कार्रवाई के जरिए पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अपराध नियंत्रण में उदासीनता या कार्यप्रणाली में गंभीर कमी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी पुलिसकर्मी की लापरवाही के कारण क्षेत्र में अपराध बढ़ते हैं या आम लोगों की सुरक्षा प्रभावित होती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब वीरपुरा बाजार सहित संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की उम्मीद की जा रही है।

जलभराव से तबाही: दो घंटे की बारिश ने उजाड़े आशियाने, लोग बोले- कमर तक भरा पानी, फिर ढहन लगे मकान, देखें Photos

Kanpur House Collapse Accident: जाजमऊ स्थित रैदास विहार नई बस्ती में मूसलाधार बारिश के दौरान नाला चोक होने से ओवरफ्लो हुआ गंदा पानी घरों में घुस गया, जिससे 12 मकान जमींदोज हो गए और सात लोग घायल हो गए। इस भीषण जलभराव और हादसे के बाद पीड़ित परिवारों के सामने सिर छिपाने और भोजन का संकट खड़ा हो गया है। कानपुर में जाजमऊ की रैदास विहार नई बस्ती में मंगलवार रात हुए हादसे की मुख्य वजह नाले का चोक होना है। नाले से पानी इतनी तेजी से ओवरफ्लो हुआ कि किसी को कुछ करने का मौका ही नहीं मिला। देखते-देखते पानी कमर तक पहुंचा और शुरू हो गया मकानों के ढहने का सिलसिला। हादसे में 12 मकान जमींदोज हुए हैं। दूसरी ओर नगर निगम इसे जल निगम का डॉट नाला बता रहा है तो जल निगम के अधिकारी अपना नाला मानने से इन्कार करते रहे।

केडीए की जमीन पर बसी है बस्ती

रैदास विहार नई बस्ती, केडीए की जमीन पर बसी है। यहां 100 से अधिक कच्चे-पक्के मकान हैं। बस्ती से जल निगम का एक पुराना डॉट नाला गया है जो आगे जाकर बस्ती के पीछे नगर निगम के बड़े सरैया नाले में जाकर मिलता है। इलाकाई लोगों ने बताया कि इस बार दोनों ही नालों की सफाई नहीं कराई गई, जिससे वे चोक थे। मंगलवार को दो से तीन घंटे की बारिश में नालों का पानी आगे नहीं बढ़ा और ओवरफ्लो होकर बस्ती में भरता चला गया। घुटने तक भरे पानी से लोग बाहर निकलने लगे तभी कच्चे मकानों की दीवारें व मिट्टी ढहने लगी।

नालों में तेजी से पानी आया तो नहीं हो सकी निकासी

नगर निगम जोन-2 के अधिशासी अभियंता दिवाकर भास्कर ने बताया कि बस्ती में जल निगम का डॉट नाला है। सरैया नाला चल रहा है। लेकिन लाइन में अवैध बस्ती होने से अचानक तेजी से पानी आया तो निकासी एकसाथ नहीं हो सकी। इससे बस्ती में पानी भरा और एक-दो मकान के छप्पर व टिनशेड गिर गए। कोई हताहत नहीं हुआ है, मौके पर बैरिकेडिंग करा दी गई है।

नालों में तेजी से पानी आया तो नहीं हो सकी निकासी

नगर निगम जोन-2 के अधिशासी अभियंता दिवाकर भास्कर ने बताया कि बस्ती में जल निगम का डॉट नाला है। सरैया नाला चल रहा है। लेकिन लाइन में अवैध बस्ती होने से अचानक तेजी से पानी आया तो निकासी एकसाथ नहीं हो सकी। इससे बस्ती में पानी भरा और एक-दो मकान के छप्पर व टिनशेड गिर गए। कोई हताहत नहीं हुआ है, मौके पर बैरिकेडिंग करा दी गई है।

शेल्टर होम पहुंचाए गए पीड़ित

पीड़ित परिवारों को पास के शेल्टर होम में रखवाया गया है और उनके भोजन की व्यवस्था भी कराई गई है। पंप लगवाकर रात भर बस्ती से पानी निकलवाया जाएगा। उधर, जल निगम के अवर अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि नाला उनका नहीं है, फिर भी बुधवार को टीम भेज कर उसे दिखवाया जाएगा।

25 मकान जद में, 12 ढहे, गृहस्थी बर्बाद

हादसे में बस्ती के 25 मकान जद में आए हैं जिनमें से 12 ढह गए। कई में दरारें भी आई हैं। बस्ती की सभी गलियों में पानी भरने से नसीमा, फातिमा, पप्पू पाल, छोटे लाल, राष्ट्रपति, मो. शेख, मो. नजीर, खुर्शीदा सईद, विनोद, जीशान के घरों में पानी भर गया और पूरी गृहस्थी का सामान व राशन भी बर्बाद हो गया। पीड़ितों ने बताया कि गनीमत रही कि हादसा देर रात नहीं हुआ, नहीं तो अधिक नुकसान हो सकता था।

जानकारी दी, पर पार्षद ने नहीं कराई नाला सफाई

बस्ती के लोगों में क्षेत्रीय पार्षद की कार्यशैली पर आक्रोश है। पीड़ित परिवारों ने बताया कि बारिश से पहले ही नाले चोक थे। इसकी जानकारी पार्षद नूरेन अहमद टारजन को कई बार दी लेकिन उन्होंने नालों की सफाई नहीं कराई। और तो और, हादसे के बाद मौके पर झांकने तक नहीं आए। आक्रोशित लोगों ने पार्षद को लेकर खासी नाराजगी जताई।

गृहस्थी पर फिरा पानी, भोजन और रात बिताने की चुनौती

बस्ती में अचानक पानी घुसने से जिनके मकान ढहे, उनका तो सब कुछ उजड़ ही गया लेकिन अन्य घरों में पानी घुसने से उनकी भी गृहस्थी डूब गई। अचानक आई इस आपदा के बाद लोगों के सामने भोजन और सिर छुपाने की गंभीर चुनौती पैदा हो गई। छोटे-छोटे बच्चे भूख से बिलबिला गए। बस्ती में कई ऐसे बच्चे हैं, जिनकी उम्र 10 वर्ष से कम है। सूचना पर कैंट विधायक हसन रूमी, बसपा नेता मोहम्मद ताबिश सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। नेताओं ने बस्ती के लोगों को ढांढस बंधाया।

टूट गए थे तार, करंट की आशंका में काटी बिजली

घटना के बाद बिजली के कई तार टूट कर गिरे। पानी में तार गिरने से करंट उतरने की आशंका पर क्षेत्र की लाइट काट दी गई। इससे पूरी बस्ती व आसपास का इलाका अंधेरे में डूब गया और राहत कार्य में दिक्कत आई। लोग बस्ती में भरे पानी में भटकते रहे। बस्ती के निवासियों ने बताया कि एक पल ऐसा लगा कि जैसे भूकंप आया हो।

टूट गए थे तार, करंट की आशंका में काटी बिजली

घटना के बाद बिजली के कई तार टूट कर गिरे। पानी में तार गिरने से करंट उतरने की आशंका पर क्षेत्र की लाइट काट दी गई। इससे पूरी बस्ती व आसपास का इलाका अंधेरे में डूब गया और राहत कार्य में दिक्कत आई। लोग बस्ती में भरे पानी में भटकते रहे। बस्ती के निवासियों ने बताया कि एक पल ऐसा लगा कि जैसे भूकंप आया हो।

शाम को अचानक बस्ती में पानी घुसने लगा, जबतक लोग समझ पाते तब तक कमर के नीचे तक पानी आ गया। पूरी गृहस्थी खराब हो गई है, घर भी चला गया, आगे क्या होगा कुछ समझ में नहीं आ रहा। -उमैरा

नाले के ऊपर अतिक्रमण था, सफाई भी नहीं कराई गई, यही कारण रहा कि पूरी बस्ती में पानी घुस गया, समय रहते जाग जाते तो ये हादसा न होता। -गुड़िया

घटना के बाद सभी विभागों के लोग पहुंचे। इससे पहले कई बार शिकायत की गई थी कि नाला चोक हो गया है, सफाई कराई जाए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। -तनीषा

Aligarh News: पुरानी रंजीश ने लिया खूनी रूप, बाइक सवार युवकों पर लाठी-डंडों से हमला, पांच के खिलाफ रिपोर्ट

बाजार से घर लौट रहे बाइक सवार युवकों पर रंजिश के चलते कुछ हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला दिया। हमले में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो हमलावर मौके से भाग गए। बाइक पर तीन युवक जा रहे थे। हमलावरों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिससे युवक घायल हो गए। पुलिस ने पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अलीगढ़ के क्वार्सी थाना क्षेत्र स्थित विष्णुपुरी मोहल्ले में पुरानी रंजिश ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। बाजार से घर लौट रहे बाइक सवार युवकों पर रंजिश के चलते कुछ हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला दिया। इस हमले में हर्ष, कान्हा और नितिन गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो हमलावर मौके से भाग गए। सीओ तृतीय सर्वम सिंह के मुताबिक पीड़ित विशाल की तहरीर पर पुलिस ने जतिन उर्फ जीतू, इशांत और नवीन समेत कुल पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

UP: चचेरी बहन से प्यार, फिर कोर्ट मैरिज,अब कत्ल कर खुद ने भी दी जान; सौरभ और शालिनी के प्रेम और अंत की कहानी

कानपुर से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां बर्रा सात में सौरभ सविता ने मंगलवार को पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने दरवाजा की कुंडी तोड़कर दोनों के शवों को बाहर निकाला। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य लिए। दोनों रिश्ते में चचेरे भाई-बहन थे।उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से एक बेहद सनसनीखेज और दुखद खबर सामने आई है। बर्रा सात इलाके में एक नवविवाहित दंपती ने अपनी जान दे दी। युवक सौरभ सविता (23) ने अपनी पत्नी शालिनी उर्फ रानी (20) की दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद भी फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़कर दोनों के शवों को बाहर निकाला और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। यह जोड़ा रिश्ते में चचेरे भाई-बहन थे और चार महीने पहले ही परिवार की मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज की थी।

पत्नी की हत्या कर की खुदकुशी

पारिवारिक मर्जी के खिलाफ चचेरी बहन से की कोर्ट मैरिज | डेढ़ घंटे में क्या हुआ जो पत्नी को मारकर खतम की जिंदगी

जानकारी के अनुसार, सौरभ सविता (23) और शालिनी उर्फ रानी (20) तीन साल से प्रेम संबंध में थे। सौरभ के पिता नरेश सविता सचेंडी में सैलून चलाते थे और सौरभ भी उन्हें काम में मदद करता था।

रानी, जो रिश्ते में सौरभ की चचेरी बहन थी, से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस प्रेम संबंध को लेकर दोनों परिवारों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। लगभग चार महीने पहले, जब दोनों को एक साथ देखा गया, तो विवाद और बढ़ गया। मामला इतना आगे बढ़ गया कि दोनों परिवारों को सचेंडी थाने ले जाया गया। हालांकि, दोनों के बालिग होने के कारण पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर वापस भेज दिया था।

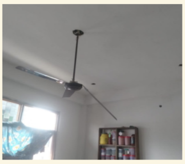

पारिवारिक मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज

पुलिस की समझाइश के बाद अगले ही दिन सौरभ और शालिनी ने अपने परिवारों की मर्जी के बिना कोर्ट मैरिज कर ली। इसके बाद वे दिल्ली जाकर रहने लगे। पांच दिन पहले ही वे दिल्ली से लौटे थे और बर्रा सात में किराए के मकान में रहने लगे थे।

दर्दनाक अंत का खुलासा

मंगलवार दोपहर को, जब पहली मंजिल पर रहने वाली नीलम छत पर कपड़े सुखाने जा रही थीं, तो उन्होंने रोशनदान से दूसरी मंजिल पर कमरे के अंदर सौरभ को फंदे से लटका देखा। उन्होंने तुरंत मकान मालिक को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बर्रा पुलिस मौके पर पहुंची।

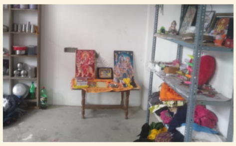

पुलिस ने अंदर से बंद दरवाजे की कुंडी तोड़ी। कमरे के अंदर चटाई पर शालिनी का शव पड़ा था, जिसकी गर्दन पर कपड़े से कसने के निशान थे। यह दृश्य किसी भयानक वारदात की ओर इशारा कर रहा था। पास रखे एक रजिस्टर पर शालिनी के मौसा का फोन नंबर लिखा था, जिस पर पुलिस ने संपर्क कर घटना की जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और शालिनी के गले पर गला घोंटने के स्पष्ट निशान मिले हैं। क्राइम सीन के आधार पर पुलिस का मानना है कि सौरभ ने पहले अपनी पत्नी शालिनी की हत्या की और उसके बाद आत्महत्या की।

पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए दोनों के मोबाइल फोन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया अकाउंट्स की गहन जांच कर रही है। परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि इस दुखद घटना के पीछे की वजह का खुलासा हो सके। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और लोग इस प्रेम कहानी के दर्दनाक अंत पर स्तब्ध हैं।

डेढ़ घंटे में क्या हुआ जो पत्नी को मारकर खत्म की जिंदगी

कानपुर के बर्रा सात स्थित मकान की दूसरी मंजिल पर मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे पुलिस को दोनों के शव मिले। नजदीक मिले रजिस्टर पर कुछ मोबाइल नंबर लिखे हुए थे। इनमें से बर्रा आठ में रहने वाले शालिनी के मौसा कृष्ण कुमार सविता का नंबर भी था।पुलिस ने उन्हें सौरभ का पिता समझकर घटना की जानकारी दी, जिस पर वह तुरंत मौके पर आए। शव देखने के बाद उन्होंने खुद को शालिनी का मौसा बताया। उनके माता-पिता को मौत की खबर दी।

जलभराव से तबाही: दो घंटे की बारिश ने उजाड़े आशियाने, लोग बोले- कमर तक भरा पानी, फिर ढहन लगे मकान

हर ओर पानी और चीखें...

● बारिश ने तबाह किए कई घर ● लोगों की जान पर बन आई

Kanpur House Collapse Accident: जाजमऊ स्थित रैदास विहार नई बस्ती में मूसलाधार बारिश के दौरान नाला चोक होने से ओवरफ्लो हुआ गंदा पानी घरों में घुस गया, जिससे 12 मकान जमींदोज हो गए और सात लोग घायल हो गए। इस भीषण जलभराव और हादसे के बाद पीड़ित परिवारों के सामने सिर छिपाने और भोजन का संकट खड़ा हो गया हैकानपुर में जाजमऊ की रैदास विहार नई बस्ती में मंगलवार रात हुए हादसे की मुख्य वजह नाले का चोक होना है। नाले से पानी इतनी तेजी से ओवरफ्लो हुआ कि किसी को कुछ करने का मौका ही नहीं मिला। देखते-देखते पानी कमर तक पहुंचा और शुरू हो गया मकानों के ढहने का सिलसिला। हादसे में 12 मकान जमींदोज हुए हैं। दूसरी ओर नगर निगम इसे जल निगम का डॉट नाला बता रहा है तो जल निगम के अधिकारी अपना नाला मानने से इन्कार करते रहे।

केडीए की जमीन पर बसी है बस्ती

रैदास विहार नई बस्ती, केडीए की जमीन पर बसी है। यहां 100 से अधिक कच्चे-पक्के मकान हैं। बस्ती से जल निगम का एक पुराना डॉट नाला गया है जो आगे जाकर बस्ती के पीछे नगर निगम के बड़े सरैया नाले में जाकर मिलता है। इलाकाई लोगों ने बताया कि इस बार दोनों ही नालों की सफाई नहीं कराई गई, जिससे वे चोक थे। मंगलवार को दो से तीन घंटे की बारिश में नालों का पानी आगे नहीं बढ़ा और ओवरफ्लो होकर बस्ती में भरता चला गया। घुटने तक भरे पानी से लोग बाहर निकलने लगे तभी कच्चे मकानों की दीवारें व मिट्टी ढहने लगी।

नालों में तेजी से पानी आया तो नहीं हो सकी निकासी

नगर निगम जोन-2 के अधिशासी अभियंता दिवाकर भास्कर ने बताया कि बस्ती में जल निगम का डॉट नाला है। सरैया नाला चल रहा है। लेकिन लाइन में अवैध बस्ती होने से अचानक तेजी से पानी आया तो निकासी एकसाथ नहीं हो सकी। इससे बस्ती में पानी भरा और एक-दो मकान के छप्पर व टिनशेड गिर गए। कोई हताहत नहीं हुआ है, मौके पर बैरिकेडिंग करा दी गई है।

शेल्टर होम पहुंचाए गए पीड़ित

पीड़ित परिवारों को पास के शेल्टर होम में रखवाया गया है और उनके भोजन की व्यवस्था भी कराई गई है। पंप लगवाकर रात भर बस्ती से पानी निकलवाया जाएगा। उधर, जल निगम के अवर अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि नाला उनका नहीं है, फिर भी बुधवार को टीम भेज कर उसे दिखवाया जाएगा।

जानकारी दी, पर पार्षद ने नहीं कराई नाला सफाई

बस्ती के लोगों में क्षेत्रीय पार्षद की कार्यशैली पर आक्रोश है। पीड़ित परिवारों ने बताया कि बारिश से पहले ही नाले चोक होने की इसकी जानकारी पार्षद नूरेन अहमद टारजन को कई बार दी लेकिन उन्होंने नालों की सफाई नहीं कराई। और तो और, हादसे के बाद मौके पर झांकने तक नहीं आए। आक्रोशित लोगों ने पार्षद को लेकर खासी नाराजगी जताई।

Rudraprayag Rain: अगस्त्यमुनि में जलभराव, बोल्डर से दबी कार, स्कूल में पानी घुसने से छुट्टी, हाईवे पर भूस्खलन

मंगलवार रात से जारी मूसलाधार बारिश ने अगस्त्यमुनि क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। नगर पंचायत क्षेत्र के बसंत विहार, एसबीआई कॉलोनी और खंड विकास कार्यालय के पीछे जलभराव होने से कई घरों और आंगनों में पानी घुस गया। सड़कों पर भी पानी भरने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।रुद्रप्रयाग जिले में मूसलाधार बारिश ने अगस्त्यमुनि क्षेत्र में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, जबकि पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने की घटनाओं से राष्ट्रीय राजमार्ग और स्थानीय यातायात भी प्रभावित हुआ। प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में राहत और मार्ग बहाली के कार्य में जुटा है।नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के बसंत विहार, एसबीआई कॉलोनी और खंड विकास कार्यालय के पीछे स्थित क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों और आंगनों में पानी घुस गया। खंड विकास कार्यालय के पीछे स्थित कई मकानों तक जाने वाले रास्ते भी पानी में डूब गए और कुछ घरों के भीतर भी पानी घुस गया।

अगस्त्यमुनि पेट्रोल पंप के पास पहाड़ी से एक बड़ा बोल्डर गिरने से वहां खड़ी एक कार उसकी चपेट में आकर दब गई। गनीमत रही की घटना के समय कार में कोई सवार नहीं था। लगातार हो रही बारिश और जलभराव के कारण चिल्ड्रन एकेडमी इंटरमीडिएट कॉलेज की ओर जाने वाले मार्ग पर भी पानी भर गया। एहतियात के तौर पर स्कूल में अवकाश घोषित किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में समुचित ड्रेनेज व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में जलभराव की समस्या पैदा हो जाती है।

अलकनंदा-मंदाकिनी चेतावनी स्तर से ऊपर, बारिश से आठ राज्य मार्ग समेत 17 सड़कें बंद

रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही बारिश से अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बुधवार को भी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रहा है। वहीं बारिश के कारण एक राष्ट्रीय राजमार्ग, सात राज्य मार्ग समेत कुल 17 सड़कें बाधित हैं। सिल्ली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया जिसे अब खोल दिया गया है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सुबह सात बजे अलकनंदा का जलस्तर 626.80 मीटर दर्ज किया गया, जो 626.00 मीटर के चेतावनी स्तर से ऊपर है। वहीं मंदाकिनी का जलस्तर 625.50 मीटर है, जो 625.00 मीटर के चेतावनी स्तर से अधिक है। दोनों नदियां अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं।

उत्तराखंड में 111 मार्ग बंद

राज्य में भूस्खलन समेत अन्य कारणों तीन एनएच व छह राज्यमार्ग समेत 111 मार्ग बंद हैं। इनमें सबसे अधिक ग्रामीण मार्ग 76 बंद हैं। सबसे अधिक देहरादून जिला प्रभावित है, यहां पर एक एनएच और पांच एसएच समेत 27 सड़कें बंद हैं। अल्मोड़ा में दो, बागेश्वर में आठ, चमोली में 12 मार्ग बंद हैं। नैनीताल में एक मुख्य जिला मार्ग समेत सात मार्ग बंद हैं। पौड़ी में छह और सीमांत जिला पिथौरागढ़ में एनएच, एक बार्डर रोड समेत 16 सड़कें बंद हैं। रुद्रप्रयाग में पांच, टिहरी में 17 और उत्तरकाशी में 11 सड़कें बंद हैं।

Weather Update: आज से अगले दो दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी दिल्ली-NCR में मानसून मेहरबान

मंगलवार को दिल्ली में दोपहर बाद भारी बारिश हुई। विभाग ने शाम छह बजे जारी तीन घंटे के बारिश आंकड़ों में बताया कि 11:30 बजे से 2:30 बजे के बीच कई इलाकों में मूसलाधार बारिश रिकॉर्ड की गई।दिल्ली-एनसीआर में मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को सुबह से ही बारिश होने लगी थी। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई। सुबह के समय ठंडी हवाओं ने मौसम को और भी खुशनुमा बना दिया। हालांकि, इस राहत के साथ कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। ऑफिस आने-जाने वाले कर्मचारियों, छात्रों और यात्रियों को घंटों जाम में फंसना पड़ा। हालांकि, बारिश का दौर सोमवार से जारी हुआ है।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बीते 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम में दो-तीन और अधिकतम तापमान में एक-दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। आईएमडी के मुताबिक, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5.9 डिग्री कम है। यहां बीते 24 घंटे में इसमें 9.1 डिग्री की गिरावट आई। साथ ही, न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। इसी तरह पालम में अधिकतम 29.6, लोधी रोड में 29.6, रिज में 28.9 और आया नगर में 29.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। सभी स्टेशनों पर तापमान सामान्य से चार से 5.7 डिग्री तक कम रहा।

आज से अगले दो दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी

दिल्ली में आने वाले दिनों में मौसम सुहावना बना रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 जुलाई से 3 अगस्त तक आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। ऐसे में 29 और 30 जुलाई को सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम और रात के समय भी कुछ इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

बारिश से दिल्ली की रफ्तार थमी, कई इलाकों में लगा लंबा जाम

बारिश से कई इलाकों में लोगों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जलभराव हो गया। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में आईटीओ, मिंटो ब्रिज, रिंग रोड, धौला कुआं, नारायणा, द्वारका, जनकपुरी, उत्तम नगर, नवादा, आश्रम चौक, सराय काले खां, दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर, करोल बाग, रोहिणी, आजादपुर, पीरागढ़ी और पंजाबी बाग शामिल रहे।

एशिया का सबसे बड़ा मार्केट बना समंदर

एशिया के बड़े बाजारों में शामिल सदर बाजार में मानसून की पहली वर्षा में ही बुरा हाल है। यहां कहीं घुटने तो कहीं कमर भर तक जल जमाव हो गया। सड़कों से लेकर गलियों तक में दो से तीन फीट तक पानी चल रहा है। स्थिति यह कि सैकड़ों दुकानों में सीवर का पानी घुस गया है और लाखों का सामान बर्बाद हो गया है।

नोएडा में बारिश का येलो अलर्ट जारी

मंगलवार को सुबह 11:30 बजे से लगातार दो घंटे तक हुई बारिश से अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और चिपचिपाहट भरी उमस से राहत मिली। करीब एक घंटे बाद फिर तेज हवाओं के साथ आसमान में काले बादल घिर आए और बारिश होने लगी। पार्कों और सड़कों पर लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए। मौसम विभाग ने बारिश का येलो अलर्ट जारी है। पूर्वानुमान के मुताबिक, बुधवार और बृहस्पतिवार को भी तेज बारिश हो सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप, यूक्रेन और यूरोप युद्ध खत्म करना चाहते हैं, लेकिन पुतिन नहीं। हम हर दिन युद्धविराम की अपील कर रहे हैं, इसलिए रूस पर कड़े प्रतिबंध और दबाव बेहद जरूरी हैं।

वोलोदिमिर जेलेंस्की, राष्ट्रपति, यूक्रेन

'हम युद्ध रोकना चाहते हैं, पुतिन नहीं': जेलेंस्की बोले-रूस पर कड़े प्रतिबंध ही शांति का रास्ता; और क्या कहा?

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों वाले विधेयक को बड़ी बढ़त मिली है। जेलेंस्की इसे शांति की दिशा में पहला कदम मान रहे हैं। उनका कहना है कि अब भी युद्ध खत्म करने का रास्ता खुला है, लेकिन इसके लिए रूस को युद्धविराम और बातचीत के लिए तैयार होना होगा। अमेरिकी सीनेट में रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को बड़ी बढ़त मिली है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे शांति की दिशा में पहला कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन और यूरोप युद्ध खत्म करना चाहते हैं, लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब भी युद्धविराम के लिए तैयार नहीं हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने वॉशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इसके अलावा अमेरिकी सीनेट के दोनों दलों के 60 से अधिक सांसदों से भी बातचीत की। इसी दौरान अमेरिकी सीनेट ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रियात्मक मतदान किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 86 और विरोध में 12 वोट पड़े। जेलेंस्की ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह 'शांति की दिशा में पहला कदम'है। उन्होंने कहा कि यह वही प्रस्ताव है, जिस पर दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने लंबे समय तक काम किया था।

लिंडसे ग्राहम का जिक्र क्यों किया?

जेलेंस्की ने दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को याद किया। उन्होंने कहा कि ग्राहम युद्ध की शुरुआत से ही यूक्रेन के मजबूत समर्थक थे। जेलेंस्की के मुताबिक, ग्राहम युद्ध के दौरान 10 बार यूक्रेन आए। उन्होंने कई इलाकों का दौरा किया, जिनमें मोर्चे के करीब के क्षेत्र भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि ग्राहम को पूरा भरोसा था कि रूस यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर पाएगा और ऐसा ही हुआ।

यूक्रेन की रक्षा क्षमता पर क्या चर्चा हुई?

जेलेंस्की ने अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन के अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि यह कंपनी ATACMS, HIMARS, F-16 और पैट्रियट सिस्टम के लिए मिसाइलें बनाती है। बैठक में संयुक्त उत्पादन, तकनीक के आदान-प्रदान और यूक्रेन की वायु रक्षा मजबूत करने पर चर्चा हुई। जेलेंस्की ने कहा कि दोनों देशों की टीमें संयुक्त उत्पादन शुरू करने के लिए ठोस समाधान पर काम कर रही हैं।

क्या रूस को भारी नुकसान हो रहा है?

जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस हर महीने 30,000 सैनिक खो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की शुरुआत में पुतिन ने दावा किया था कि रूस दो या तीन दिन में यूक्रेन पर कब्जा कर लेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन ने अपनी सैन्य तकनीक को तेजी से मजबूत किया है। अब देश में 500 कंपनियां रक्षा तकनीक के क्षेत्र में काम कर रही हैं और मोर्चे पर सैनिकों की मदद कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब हालात बदल चुके हैं। युद्ध की पहल पहले जैसी रूस के हाथ में नहीं रह गई है।

क्या पुतिन युद्ध रोकना नहीं चाहते?

फॉक्स न्यूज के होस्ट सीन हैनिटी को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन हर दिन युद्ध रोकने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध खत्म करना चाहते हैं। यूक्रेन चाहता है। यूरोपीय देश भी चाहते हैं। लेकिन पुतिन नहीं चाहते।' जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन लगातार अस्थायी युद्धविराम की मांग कर रहा है ताकि राजनयिक बातचीत शुरू हो सके। लेकिन रूस इसके लिए भी तैयार नहीं है। इसलिए रूस पर और दबाव बनाने और प्रतिबंध लगाने की जरूरत है।

भारत पर 100% टैरिफ का खतरा: अमेरिकी सीनेट में आगे बढ़ा प्रतिबंध बिल; क्या रूसी तेल खरीद बनेगी नई चुनौती?

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक आगे बढ़ गया है, जिससे भारत समेत पांच देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला भारत इस दबाव के बीच ऊर्जा जरूरतों और अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। अब सवाल है कि क्या रूसी तेल खरीद भारत के लिए नई चुनौती बन जाएगी?

अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस विधेयक की वजह भारत और चार अन्य देशों पर 100 फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का खतरा पैदा हो गया है। यह व्यापक प्रतिबंध विधेयक दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था। मंगलवार को इसे आगे बढ़ाया गया, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी संसद भवन पहुंचे थे। इस विधेयक का मकसद यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। चीन के बाद भारत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए मतदान में 86 सांसदों ने इसके पक्ष में और 12 ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस विधेयक में रूस के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने और भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी तथा अजरबैजान पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की मंजूरी देने का प्रावधान है। इसका मकसद इन देशों की रूस की ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना है। अप्रैल 2025 में पेश किए गए इस विधेयक को लेकर ग्राहम ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे मंजूरी दे दी है। यह फैसला अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव के बीच आया था। रूस पर प्रतिबंध वाला यह विधेयक ऐसे समय में आया, जब पश्चिम एशिया में जंग के कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता रूस पर बढ़ गई है। इस जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति रुक गई है। पहले भारत के कुल तेल आयात का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता था। इसके बाद तेल कंपनियों को रूस के कच्चे तेल को मुख्य विकल्प के रूप में अपनाना पड़ा। सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पहले कहा था कि इस विधेयक में उन देशों को छूट दी जाएगी, जो रूस से गैस खरीदते हैं। लेकिन उनकी खरीद रूस के कुल गैस आयात के 15 फीसदी से कम है।

प्रतिबंध विधेयक का भारत पर कितना असर?

अमेरिका ने पहली बार अगस्त 2025 में रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार को लेकर कदम उठाया था। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत पुतिन के युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

इसके बाद भारत पर कुल अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया। यह चीन और ब्राजील के साथ सबसे ज्यादा था। इस नए टैरिफ के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया और व्यापार वार्ता रुक गई। हालांकि, फरवरी में अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद भारत समेत पूरी दुनिया ऊर्जा संकट की स्थिति में पहुंच गई। इसका कारण होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी थी। इस बड़े संकट के बीच अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर छूट देने की घोषणा की, जिससे भारत को फिर से रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिल गई।

अमेरिका के अनुसार, भारत की इस तेल खरीद से रूस को कोई लाभ नहीं होगा। इस छूट के बीच जून 2026 में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 34 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र के अनुसार, इन आयातों का मूल्य 4.5 अरब यूरो था। यह रूस के कच्चे तेल से होने वाले कुल निर्यात राजस्व का लगभग 36 फीसदी हिस्सा था।

US: अमेरिकी चुनाव में बढ़ेगा भारतवंशियों का दबदबा? डेमोक्रेटिक पार्टी ने दो उम्मीदवारों का किया समर्थन

US: अमेरिका में कांग्रेस चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी ने भारतवंशी उम्मीदवार अमीश शाह और पिया दांडिया पर भरोसा जताया है। दोनों नेताओं को पार्टी के उस अभियान में शामिल किया गया है, जो रिपब्लिकन के प्रभाव वाले क्षेत्रों में चुनावी मुकाबला मजबूत करने के लिए चलाया जा रहा है। क्या भारतीय मूल के ये उम्मीदवार अमेरिकी राजनीति में नया समीकरण बना पाएंगे? पढ़िए रिपोर्ट- भारतवंशी दो उम्मीदवार अमीश शाह और पिया दांडिया डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान में शामिल किए गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण वापस हासिल करने की कोशिश कर रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंगलवार को शाह और दांडिया समेत पांच उम्मीदवारों को अपने 'रेड टू ब्लू' अभियान में शामिल किया। इस अभियान के तहत उन उम्मीदवारों को संगठन और धन जुटाने में मदद दी जाती है, जो रिपब्लिकन के प्रभाव वाले क्षेत्रों में कड़ी चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं।

डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति 30 ऐसे उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है, जिनके बारे में उसका मानना है कि वे नवंबर के चुनाव में रिपब्लिकन से अपनी सीटें छीन सकते हैं। अमीश शाह पेशे से चिकित्सक हैं और पहले राज्य प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह एरिजोना के पहले जिले से चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार और राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के पूर्व खिलाड़ी जे फीली से है। जे फीली को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला हुआ है। पिया दांडिया पहले हाईस्कूल की प्रधानाचार्य रह चुकी हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले से चुनाव लड़ रही हैं। यह क्षेत्र नए परिसीमन के बाद बनाया गया है और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव नहीं लड़ रहा है। भारत से अमेरिका आए माता-पिता की संतान पिया दांडिया ने पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी।

डेमोक्रेटिक अभियान समिति के प्रमुख ने क्या कहा?

डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति की अध्यक्ष सुजान डेलबेने ने एक बयान में कहा, पिया एक कामकाजी मां हैं, जो नया भविष्य लिखना चाहती हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के लोगों के लिए अमेरिकी सपने को ज्यादा आसान बनाना चाहती हैं। इसके लिए वह महंगाई की समस्या से निपटने, सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसी जरूरी योजनाओं की रक्षा करने और रिपब्लिकन नेताओं को उनके अधूरे वादों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमीश शाह का अब तक का सियासी सफर कैसा रहा?

अमीश शाह एरिजोना विधानसभा के तीन बार सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन वाली उम्मीदवार और पूर्व पत्रकार मार्लेन गैलन-वुड्स को हराया था। गैलन-वुड्स इस साल डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन के बावजूद चुनाव हारने वाली तीसरी उम्मीदवार हैं। इससे पहले कैलिफोर्निया की जस्मीत बैन्स और मेन के जो बाल्डाची भी पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद हार चुके हैं।

इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट नाम के संगठन ने कहा, हम अपने लोकतंत्र के भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं और भारतीय-अमेरिकी नेता प्रतिनिधि सभा पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह संगठन भारतीय मूल के अमेरिकियों को सरकार के हर स्तर पर समान प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए काम करता है। अमीश शाह का जन्म शिकागो में गुजराती माता-पिता के घर हुआ था, जो 1960 के दशक में भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री हासिल की और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल से चिकित्सा की डिग्री ली। वह चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम का हिस्सा भी रहे। शाह के पिता जैन धर्म से हैं और उनकी मां हिंदू हैं।

पिया दांडिया कौन हैं?

वहीं, पिया दांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी नागरिक हैं। उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने हाई स्कूल की प्रधानाचार्य, नीति विशेषज्ञ और तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली नवाचारकर्ता के तौर पर समुदायों को मजबूत करने का काम किया है।

पिया दांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की। बाद में हार्लेम में हाई स्कूल की प्रधानाचार्य बनीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों के जीवन को बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाना था।

उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं। वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल की प्रधानाचार्यों में से एक रहीं।

प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के कितने सांसद हैं?

मौजूदा प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भारतीय मूल के छह सांसद हैं। इनमें रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा और प्रमिला जयपाल शामिल हैं। रो खन्ना 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने की तैयारी में रुचि दिखा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति इलिनॉय से सीनेट चुनाव के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में हार गए थे।

उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं। वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल की प्रधानाचार्यों में से एक रहीं।

प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के कितने सांसद हैं?

मौजूदा प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भारतीय मूल के छह सांसद हैं। इनमें रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा और प्रमिला जयपाल शामिल हैं। रो खन्ना 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने की तैयारी में रुचि दिखा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति इलिनॉय से सीनेट चुनाव के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में हार गए थे।

उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं।

'चुनिंदा देशों का नहीं हो सकता एकाधिकार': UN सुरक्षा परिषद सुधार पर भारत का सख्त संदेश, किसे ठहराया जिम्मेदार?

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सुरक्षा परिषद सुधार में हो रही देरी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे कुछ देशों के स्वार्थ का बंधक न बनाने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में भारतीय नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शांति और सुरक्षा की मांग की है। भारत ने क्या-क्या कहा है? जानिए...

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की धीमी रफ्तार पर भारत ने एक बार फिर नाराजगी जताई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि 17 दौर की बातचीत के बाद भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया कुछ देशों के संकीर्ण और विभाजनकारी हितों की बंधक नहीं बन सकती।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सुरक्षा परिषद में सुधार से जुड़ी अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) को अगले सत्र तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही यह प्रक्रिया अब 18वें वर्ष में प्रवेश कर गई है। सितंबर से शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में इस पर फिर चर्चा होगी।

पी हरीश ने भारत दर्शन का जिक्र क्यों किया?

भारत ने वार्ता आगे बढ़ाने के फैसले का समर्थन किया, लेकिन सुधार प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी भी जताई। हरीश ने कहा कि 80वां सत्र भी पहले की तरह बिना किसी ठोस उपलब्धि के खत्म हो गया। उन्होंने भारतीय दर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि आत्मा कई जन्मों के बाद मोक्ष प्राप्त करती है, लेकिन सुरक्षा परिषद सुधार के 17 चक्र पूरे होने के बाद भी कोई समाधान दिखाई नहीं दे रहा।

भारत ने क्या कहा?

भारत ने कहा कि सुरक्षा परिषद में वास्तविक सुधार तभी संभव है, जब स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों की सीटों का विस्तार किया जाए। केवल अस्थायी सीटें बढ़ाने से पांच स्थायी सदस्यों (P5) के निर्णय लेने के अधिकार में कोई बदलाव नहीं आएगा। भारत ने यह भी कहा कि अब लिखित मसौदे के आधार पर तय समयसीमा के साथ बातचीत शुरू होनी चाहिए। साथ ही वैश्विक दक्षिण को सुरक्षा परिषद में अधिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

2028-29 की सीट के लिए चुनाव लड़ेगा भारत

विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस महीने 2028-29 कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए भारत के अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। अगले साल जून में होने वाले चुनाव में एशिया-प्रशांत समूह की एक सीट के लिए भारत और ताजिकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। भारत इससे पहले आठ बार सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रह चुका है। सबसे हाल में वह 2021-22 के कार्यकाल में परिषद का सदस्य था।

कुछ देश क्या चाहते हैं?

इटली, पाकिस्तान, तुर्किये और कनाडा के यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) समूह का प्रस्ताव है कि सुरक्षा परिषद में केवल अस्थायी सीटों की संख्या बढ़ाई जाए। यह समूह परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने के पक्ष में नहीं है।

पश्चिम एशिया में जहाजों पर हमलों की निंदा

सुरक्षा परिषद की एक अलग बैठक में भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भी चिंता जताई। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जीएफएस गैलेक्सी, एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा समेत कई व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हुई, एक लापता है और कई अन्य घायल हुए हैं। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही हर हाल में बहाल होनी चाहिए।

भारत के लिए क्यों अहम है पश्चिम एशिया?

भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया उसकी अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और लाखों भारतीयों से सीधे जुड़ा हुआ क्षेत्र है।

- खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं।
- जीसीसी देशों के साथ भारत का सालाना व्यापार करीब 180 अरब डॉलर का है।
- भारत को इन देशों से 52 अरब डॉलर से अधिक का प्रेषण (रेमिटेंस) और 31 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिलता है।

भारत ने गाजा में मानवीय संकट पर चिंता जताते हुए दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन दोहराया। साथ ही यमन में हूतियों के हमलों और लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमलों की भी कड़ी निंदा की। भारत ने सभी पक्षों से तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की अपील की।

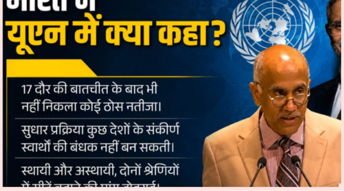

भारत पर 100% टैरिफ का खतरा: अमेरिकी सीनेट में आगे बढ़ा प्रतिबंध बिल; क्या रूसी तेल खरीद बनेगी नई चुनौती

अप्रैल 2025 में पेश किए गए इस विधेयक को लेकर ग्राहम ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे मंजूरी दे दी है। यह फैसला अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव के बीच आया था। रूस पर प्रतिबंध वाला यह विधेयक ऐसे समय में आया, जब पश्चिम एशिया में जंग के कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता रूस पर बढ़ गई है। इस जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति रुक गई है। पहले भारत के कुल तेल आयात का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता था। इसके बाद तेल कंपनियों को रूस के कच्चे तेल को मुख्य विकल्प के रूप में अपनाना पड़ा।सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पहले कहा था कि इस विधेयक में उन देशों को छूट दी जाएगी, जो रूस से गैस खरीदते हैं। लेकिन उनकी खरीद रूस के कुल गैस आयात के 15 फीसदी से कम है। अमेरिका ने पहली बार अगस्त 2025 में रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार को लेकर कदम उठाया था। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत पुतिन के युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक आगे बढ़ गया है, जिससे भारत समेत पांच देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला भारत इस दबाव के बीच ऊर्जा जरूरतों और अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। अब सवाल है कि क्या रूसी तेल खरीद भारत के लिए नई चुनौती बन जाएगी?अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस विधेयक की वजह भारत और चार अन्य देशों पर 100 फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का खतरा पैदा हो गया है। यह व्यापक प्रतिबंध विधेयक दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था। मंगलवार को इसे आगे बढ़ाया गया, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी संसद भवन पहुंचे थे।इस विधेयक का मकसद यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। चीन के बाद भारत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है।विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए मतदान में 86 सांसदों ने इसके पक्ष में और 12 ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस विधेयक में रूस के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने और भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी तथा अजरबैजान पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की मंजूरी देने का प्रावधान है। इसका मकसद इन देशों की रूस की ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना है।

Gold Silver Price: सोने ने पकड़ी रफ्तार, 10 ग्राम 1.47 लाख रुपये के पार; चांदी भी चमकी

सोने की कीमतों में उछाल क्यों आया

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, जिंस, सौमिल गांधी ने बताया कि सोने की कीमतों में यह वृद्धि अमेरिका-ईरान के नए राजनयिक प्रयासों के कारण हुई। इन राजनयिक प्रयासों से भू-राजनीतिक तनाव में कमी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। इसने सर्राफा बाजार को मजबूत समर्थन प्रदान किया। गांधी ने आगे कहा कि चीन से मजबूत भौतिक मांग बनी हुई है। साथ ही, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार खरीदारी भी जारी है। इन दोनों कारकों ने बहुमूल्य धातुओं को लगातार सहारा दिया है। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 50.12 अमेरिकी डॉलर यानी 1.25 फीसदी बढ़कर 4,057.89 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी जिंस अनुसंधान, कायनात चैनवाला ने बताया कि हाजिर सोने की कीमतें मंगलवार को ऊपर चढ़ीं। यह 4,082 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह 4,000 अमेरिकी डॉलर से नीचे की गिरावट आई थी। इस गिरावट के बाद धातु ने अपनी खोई हुई जमीन वापस पाई है। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक बढ़कर 58.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई।मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख, प्रवीण सिंह के अनुसार, चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक वार्ता से क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीद है।

दिल्ली में सोने का भाव 800 रुपये बढ़कर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ। मजबूत स्थानीय मांग, वैश्विक रुझान और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से सोने को समर्थन मिला। चांदी ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। देश की राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमतों में 800 रुपये का बड़ा उछाल देखा गया। मजबूत भौतिक मांग और वैश्विक रुझानों के चलते 10 ग्राम सोने का भाव 1.47 लाख रुपये के पार पहुंच गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें सभी कर शामिल हैं। सोमवार को सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी का भाव 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर और अपरिवर्तित रहा।घरेलू सर्राफा बाजार में कारोबारियों ने सोने में लगातार खरीदारी दर्ज की। वहीं, हालिया सुधार के बाद चांदी की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया और यह सपाट बनी रही।

होर्मुज का खतरा बढ़ा तो बदली रणनीति: अब अमेरिका से एलपीजी आयात करेगा भारत; घटेगी पश्चिम एशिया पर निर्भरता

भारत 2027 से अपने कुल एलपीजी आयात का लगभग एक-चौथाई हिस्सा अमेरिका से मंगाने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करना, होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों को घटाना और अमेरिका के साथ व्यापारिक संतुलन मजबूत करना है। साथ ही सरकार घरेलू तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए 80,000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना पर भी काम कर रही है।भारत अपनी रसोई गैस यानी एलपीजी आपूर्ति का नक्शा बदलने की तैयारी कर रहा है। सरकारी तेल कंपनियां 2027 से देश के कुल एलपीजी आयात का करीब एक-चौथाई हिस्सा अमेरिका से मंगाने की योजना पर आगे बढ़ रही हैं। भारत की एलपीजी जरूरत का बड़ा हिस्सा अभी पश्चिम एशिया से आता है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ते जोखिम, आपूर्ति में रुकावट और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की बातचीत ने ऊर्जा नीति को नई दिशा दे दी है। यह कदम पश्चिम एशिया पर निर्भरता घटाने और वॉशिंगटन के साथ व्यापार संतुलन सुधारने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।विदेशी गैस पर निर्भरता घटाने के साथ सरकार घरेलू तेल और गैस की खोज को भी बढ़ावा देना चाहती है। पेट्रोलियम मंत्रालय गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज के लिए करीब 80,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज पर काम कर रहा है। कुओं की खुदाई की लागत का 50 फीसदी तक हिस्सा सरकार वहन कर सकती है। इसका उद्देश्य विदेशी और निजी कंपनियों को समुद्री क्षेत्रों में निवेश के लिए आकर्षित करना है। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि अमेरिकी एलपीजी हमेशा सस्ती ही पड़े।

क्या सरकारी तेल कंपनियां निभाएंगी सबसे बड़ी भूमिका

सरकार की इस योजना में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल विपणन कंपनियां अहम भूमिका निभाएंगी। ये कंपनियां पहले ही 2026 के लिए अमेरिकी खाड़ी तट से 22 लाख टन एलपीजी खरीदने का अनुबंध कर चुकी हैं। जून में अमेरिका से भारत का एलपीजी आयात पहली बार 10 लाख टन के पार जाने का अनुमान है।

क्या अमेरिका बनता जा रहा है भारत का रणनीतिक गैस आपूर्तिकर्ता

इसका मतलब है कि अमेरिका अब भारत के रसोई गैस बाजार में केवल आकस्मिक आपूर्तिकर्ता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक स्रोत बनता जा रहा है। भारत के लिए यह बदलाव मजबूरी और रणनीति, दोनों का मेल है। पश्चिम एशिया से कम आपूर्ति के कारण जनवरी-जून 2026 में एलपीजी की खपत घटकर करीब 1.47 करोड़ टन रह गई। इस अवधि में आयात भी करीब 28 फीसदी घटकर 75 लाख टन रह गया। आंकड़े बताते हैं कि आपूर्ति का यह झटका सिर्फ बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर सब्सिडी नीति पर भी पड़ सकता है।होर्मुज जलडमरूमध्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा की सबसे कमजोर कड़ी माना जाता है। पश्चिम एशिया से आने वाले तेल और गैस का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। हालिया तनाव के बाद भारत ने रूस और लैटिन अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई है।एलपीजी के मामले में अमेरिका को बड़ा स्रोत बनाना भी इसी रणनीति का विस्तार है।

Explainer: दावा- आधार से जुड़ी जानकारी डार्क नेट पर, क्या है बैंक ऑफ बड़ौदा में डेटा लीक का सच; जानें सबकुछ

क्या बैंक ऑफ बड़ौदा का 1 टीबी डेटा लीक हुआ है? जानिए एक कर्मचारी के ईमेल कॉम्प्रोमाइज से शुरू हुए इस विवाद, ग्राहकों की आधार सुरक्षा और बैंक के 750 करोड़ रुपये के साइबर इंश्योरेंस दावे का पूरा सच। विस्तृत बिजनेस एक्सप्लेनर यहाँ पढ़ें। क्या देश के बड़े सरकारी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहकों का संवेदनशील डेटा सच में डार्कनेट पर बिक रहा है? हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उड़े एक दावे ने देश के बैंकिंग सेक्टर और करोड़ों बैंक ग्राहकों के बीच सनसनी फैला दी है। दावा किया गया है कि बैंक के करीब 1 टेराबाइट निजी और संवेदनशील डेटा, जिसमें ग्राहकों की आधार डिटेल्स भी शामिल हैं, इंटरनेट के डार्कनेट प्लेटफॉर्म पर लीक हो गया है। लेकिन क्या वाकई आपका पैसा और बैंक खाता खतरे में है? इस कथित डेटा लीक के पीछे की असली वजह क्या है और बैंक ने ग्राहकों के हितों की रक्षा और अपने वित्तीय जोखिम को कम करने के लिए क्या बड़े कदम उठाए हैं? आइए, आसान बोलचाल की भाषा में इस पूरे विषय को सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं। मुख्य बैंकिंग सिस्टम को हैकर्स द्वारा न तो एक्सेस किया गया है और न ही उसमें किसी प्रकार की सेंध लगी है, इसलिए ग्राहकों के वित्तीय लेनदेन और जमा पूंजी पूरी तरह से सुरक्षित हैं। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अनधिकृत पहुंच को कर्मचारी के ईमेल स्तर पर ही रोक दिया गया था।

क्या वाकई बैंक ऑफ बड़ौदा का 1TB डेटा लीक हो गया है

इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ पोस्ट वायरल होने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा एक संभावित डेटा लीक का शिकार हुआ है। इन पोस्ट्स में आरोप लगाया गया कि बैंक का करीब 1 टेराबाइट संवेदनशील डेटा अनधिकृत रूप से हासिल कर लिया गया है, जिसमें ग्राहकों के आधार कार्ड की जानकारियां भी शामिल हैं। इसके तुरंत बाद, इंटरनेट सुरक्षा पर नजर रखने वाली वेबसाइटों ने भी रिपोर्ट किया कि इस कथित सुरक्षा चूक से जुड़ा एक डेटासेट ऑनलाइन उपलब्ध हो गया है। इस खबर ने डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा को लेकर ग्राहकों और विशेषज्ञों के बीच कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए।डेटा लीक के दावों पर स्पष्टीकरण देते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा ने स्थिति साफ की है। बैंक के अनुसार, यह डेटा लीक उनके पूरे बैंकिंग नेटवर्क या कोर इंफ्रास्ट्रक्चर की किसी बड़ी तकनीकी खामी के कारण नहीं हुआ है। इस घटना के पीछे की असली वजह एक अकेले कर्मचारी का ईमेल अकाउंट हैक होना है। इसी एक कर्मचारी के ईमेल खाते से अनधिकृत पहुंच बनाकर कुछ डेटा तक पहुंच हासिल की गई थी। बैंक ने जोर देकर कहा है कि उनके पास सूचना सुरक्षा के बेहद मजबूत और पुख्ता प्रोटोकॉल मौजूद हैं और जैसे ही इस घटना की पहचान हुई, तुरंत संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए। करोड़ों ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर यह है कि बैंक का मुख्य लेनदेन सिस्टम सुरक्षित है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है

Explainer: क्यों बंद हुआ पेटीएम पेमेंट्स बैंक, RBI से लेकर हाईकोर्ट तक कब-क्या हुआ; ग्राहकों के पैसों का क्या

पेटीएम पेमेंट्स बैंक क्यों बंद हो रहा है

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को बंद यानी उसकी परिसंपत्तियों को लिक्विडेट करने की प्रक्रिया दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शुरू हो गई है। इस कार्रवाई का आदेश रिजर्व बैंक की तरफ से पेटीएम का लाइसेंस रद्द करने के बाद ही दिया गया। रिजर्व बैंक ने कुछ समय पहले पेटीएम पेमेंट्स बैंक की गतिविधियों पर सवाल उठाए थे। इनमें कई गतिविधियां नियमों से जुड़ी रहीं। नियमों का लगातार उल्लंघन: यह बैंक लंबे समय से विनियामक मानदंडों का पालन करने में नाकाम रहा था। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, पेमेंट्स बैंकों को कर्ज देने से जुड़ी गतिविधियां करने की अनुमति नहीं है। पीपीबीएल ने इस नियम में एक कमी निकाल ली। वह सीधे तौर पर तो कर्ज नहीं दे रहा था, लेकिन वह तीसरे पक्षों के जरिए क्रेडिट-डिस्पेंसिंग यानी कर्ज वितरण की सुविधा दे रहा था, जिसने नियामकों का ध्यान खींचा।आरबीआई ने कहा था कि बैंक ने केवाईसी (नो योर कस्टमर) नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके चलते आरबीआई ने पहले इस पर 5.39 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।जिसने मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गंभीर चिंताओं को जन्म दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबीएल) के लिक्विडेशन का आदेश दे दिया। इसी साल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तरफ से इस बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। इसके बाद अब हाईकोर्ट का यह फसला इस बैंक के बंद होने की प्रक्रिया में लगभग आखिरी मुहर है।एक समय भारत में सबसे तेजी से बढ़ते पेटीएम पेमेंट्स बैंक का इस तरह बंद होना देशवासियों के लिए चौंकाने वाला रहा है। हालांकि, पेटीएम के इस वेंचर के साथ विवाद काफी समय से जुड़े रहे। आइये जानते हैं कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक क्यों बंद हुआ है? इसके साथ क्या विवाद जुड़े रहे, क्यों रिजर्व बैंक ने इसके ऑपरेशन्स पर रोक लगाने से लेकर इसका लाइसेंस तक रद्द किया? कैसे पेटीएम से जुड़ा यह विवाद अदालत तक पहुंचा और अब क्या फैसला हुआ है? इससे कितने ग्राहकों पर और क्या असर पड़ेगाजमाकर्ताओं के हितों के खिलाफ कार्य: आरबीआई ने पाया कि बैंक की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जा रही थीं, जो खुद बैंक और इसके जमाकर्ताओं दोनों के हितों के लिए हानिकारक थीं। यह बैंक लंबे समय से आरबीआई के नियमों की अनदेखी कर रहा था। 2022 में आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि संस्थाओं को सुधरने के लिए पर्याप्त समय दिया जाता है, लेकिन जब वे ऐसा नहीं करती हैं, तब सख्त कार्रवाई करनी पड़ती है। संस्थापक को वित्त मंत्री द्वारा भी नियमों का पालन करने के लिए स्पष्ट रूप से कहा गया था।

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट का सिलसिला टूटा; सेंसेक्स 569 अंक चढ़ा, निफ्टी 23950 के करीब

सोमवार को शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजार भी अधिकतर बढ़त के साथ खुले। गिफ्ट निफ्टी 0.48 फीसदी बढ़कर 23,942.00 पर रहा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.40 फीसदी की वृद्धि के साथ 64,870.00 पर पहुंच गया। हैंग सेंग सूचकांक 0.87 फीसदी बढ़कर 25,183.00 पर बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 3,829.39 पर रहा।कुछ एशियाई बाजारों में गिरावट भी दर्ज की गई। ताइवान वेटेड सूचकांक 0.98 फीसदी गिरकर 43,232.88 पर आ गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.50 फीसदी फिसलकर 6,657.15 पर बंद हुआ। पश्चिमी बाजारों में भी मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोन्स फ्यूचर्स 289.60 अंक या 0.56 फीसदी बढ़कर 52,236.85 पर कारोबार कर रहा था।

सोमवार, 27 जुलाई 2026 को भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। सेंसेक्स और निफ्टी ने ईरान-अमेरिका तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण तेजी से शुरुआत की। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और विश्लेषकों की राय।भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को सप्ताह की शुरुआत तेजी के साथ की। बीएसई सेंसेक्स 549.21 अंक या 0.72 फीसदी बढ़कर 76,608.98 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 में 166.85 अंक या 0.70 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। निफ्टी 23,934.30 अंक के स्तर पर पहुंच गया।पीएल कैपिटल के हेड एडवाइजरी विक्रम कासट के अनुसार 1000 करोड़ रुपये से अधिक बाजार पूंजीकरण वाली 300 से ज्यादा कंपनियों ने नतीजे घोषित किए हैं। इन कंपनियों की आय का रुझान उत्साहजनक बना हुआ है। कासट ने कहा कि उच्च ऊर्जा लागत की चिंताओं के बावजूद मार्जिन में कमी नहीं आई है। राजस्व वृद्धि मध्य-किशोर प्रतिशत में बनी हुई है। कॉर्पोरेट आय में यह मजबूती व्यापक बाजार के स्थिर रहने का मुख्य कारण है। यह मार्च 2026 में देखी गई

Ramayana Trailer: ब्रह्म मुहूर्त में रिलीज होगा 'रामायण' का ट्रेलर स्पाइडर मैन से भी है खास कनेक्शन

Ramayana Trailer Release Date: फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। कल इसका ट्रेलर रिलीज होगा। इसके अलावा इसका ट्रेलर कल रिलीज होने वाली हॉलीवुड फिल्म के साथ जोड़ा जाएगा। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म के मेकर्स ने इसके ट्रेलर को लेकर बड़ी अपडेट दी है। खबर है कि 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को भारतीय समय के अनुसार सुबह 4 बजकर 15 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। माना जा रहा है कि मेकर्स ब्रह्म मुहूर्त पर रिलीज करने वाले हैं। खबर यह भी है कि कल रिलीज हो रही हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडरमैन: ब्रांड न्यू डे' के साथ 'रामायण' का ट्रेलर अटैच रहेगा।

निर्माता ने दी जानकारी

इससे पहले ट्रेलर 24 जुलाई को रिलीज होने वाला था। हालांकि, बाद में मेकर्स ने इसे टाल दिया। 'रामायण' के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा 'शुभ ब्रह्म मुहूर्त में, हम 30 जुलाई 2026, गुरुवार को सुबह 4:15 बजे (IST) दुनिया भर में अपने ट्रेलर के साथ रामायण के आगमन का स्वागत करते हैं।' मल्होत्रा ने बयान में कहा, 'आज हमारी रामायण के लिए बहुत खास पल है। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ हमारी पार्टनरशिप से रामायण को दुनिया तक ले जाने का मेरा सपना अब सच हो रहा है। इसे देखते हुए, हम अपना ट्रेलर बाद में ग्लोबल लेवल पर लॉन्च करेंगे।' मेकर्स के मुताबिक इस ट्रेलर को एक साथ हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित की भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इसका म्यूजिक हंस जिमर और ए.आर. रहमान ने तैयार किया है

हर साल होता है फिर भी हम' सलमान के बाद असम बाढ़ पीड़ितों के समर्थन में आलिया भट्ट फैंस से की ये गुजारिश

Alia Bhatt On Assam Floods 2026: कई कलाकारों के साथ आलिया भट्ट ने भी असम बाढ़ पीड़ितों के लिए अपना समर्थन जताया है। उन्होंने अपने फैंस और फॉलोअर्स से पीड़ितों की मदद करने की गुहार लगाई है। सलमान खान और भूमि पेडनेकर के बाद अब बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने बाढ़ से प्रभावित असम के लिए अपना समर्थन जताया है। उन्होंने अपने फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स से राज्य की मदद के लिए आगे आने की अपील की है।अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक संदेश शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने संकट की गंभीरता के बारे में बताया

और अपने फैंस और देशवासियों से राहत कार्यों में योगदान देने का आग्रह किया। अपने बयान में आलिया ने लिखा, 'अभी हमारे देश के कई हिस्सों में बाढ़ आई हुई है, जिसमें असम सबसे ज्यादा प्रभावित है और बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। 60 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लाखों लोग बेघर हो गए हैं। पूरे-के-पूरे परिवारों ने अपने घर, जमीन, मवेशी और कुछ लोगों ने तो अपने प्रियजनों को भी खो दिया है।' आलिया भट्ट ने आगे लिखा 'यह हर साल होता है और फिर भी हम इसके लिए तैयार नहीं होते। असम को अभी तुरंत राहत की जरूरत है।

इब्राहिम के साथ पलक तिवारी की डेटिंग की अफवाहों पर क्या बोले पिता राजा चौधरी? श्वेता को लेकर कही ये बात

Palak And Ibrahim: अभिनेत्री पलक तिवारी के पिता राजा चौधरी ने उनके और इब्राहिम अली खान की डेटिंग की अफवाहों पर बात की है। उन्होंने बेटी के सलमान खान के साथ काम करने के बारे में भी बात की है। अभिनेत्री पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान कई बार एक-साथ स्पॉट किए गए हैं। दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है। इस मामले पर पलक तिवारी के पिता और एक्टर राजा चौधरी ने बयान दिया है। उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी श्वेता तिवारी को लेकर भी बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है? सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में राजा से पूछा गया कि क्या उन्हें अपनी बेटी के सलमान खान के साथ काम करने और अपना नाम बनाने पर गर्व है। इस पर उन्होंने कहा 'मुझे नहीं पता (कि मुझे गर्व है या नहीं)। मुझे कोई अंदाजा नहीं है कि वह कहां है, क्या खा रही है, क्या कर रही है, कहां रह रही है, किसके साथ रह रही है और किसके साथ काम कर रही है। मैं जानना भी नहीं चाहता, जब तक कि वह खुद आकर मुझे न बताए कि डैड, ऐसा हो रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो मैं उसके लिए 24/7 मौजूद हूं। उसकी जिंदगी में मेरी बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।'

'बेकार और बेरोजगार' कंगना रनौत ने सीजेपी के प्रवक्ता पर बोला हमला

कहा- कॉकरोच जैसा बर्ताव करते हो

Kangna Ranaut And Saurav Das: कंगना रनौत और और सौरव दास के बीच जुबानी जंग जारी है। दोनों एक दूसरे की आलोचना की है। कंगना ने दास को बेकार और बेरोजगार कहा है। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास को बेकार और बेरोजगार कहा है। ये बयान सौरव दास की तरफ से कंगना की आलोचना करने के बाद आया है। कंगना ने सीजेपी के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन की आलोचना की थी। **कंगना ने की सौरव दास की आलोचना**

हाल ही में कंगना रनौत ने दास के इंटरव्यू का स्क्रीनशॉट शेयर किया और उनके छात्र होने के दावे पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा 'इस व्यक्ति के बारे में गूगल किया, तो पता चला कि वह 28 साल का है। मुझे समझ नहीं आता कि वह छात्र होने का दावा कैसे कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा, 'हां, मैं पिछले दो वर्षों से राजनीति में हूं, मगर मैं पिछले 20 वर्षों से पब्लिक में हूं। उसकी उम्र में, मेरे पास दो नेशनल अवॉर्ड थे। एक नए सांसद के तौर पर, मुझ पर काम का बहुत बोझ था क्योंकि मैं एक फिल्ममेकर, परफॉर्मिंग आर्टिस्ट, प्रोड्यूसर, स्क्रीनराइटर और कारोबारी भी हूं।' रनौत ने कहा 'वह कभी नहीं समझ पाएगा कि हर समय भारी डिमांड में रहने का क्या मतलब होता है। प्यारे सौरव, तुम्हारे मुद्दे पर्सनल हैं। तुम छात्र नहीं हो, तुम बस बेकार हो। जाओ कुछ सीखो' इससे पहले एक इंस्टाग्राम स्टोरी में, रनौत ने लिखा, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी एक जगह इतनी बदसूरती नहीं देखी। जिस तरह से वे बात करते हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं... तुम खुद को कॉकरोच कहते हो और दिखते और बर्ताव भी वैसे ही करते हो।' इससे पहले दास ने कहा कहा था 'उनकी अपनी पार्टी के सदस्य भी कंगना रनौत की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते या उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, तो हम क्यों लें?

Sanjay Dutt@67: 'कांटे' भरी जिंदगी का 'रॉकी

बनकर किया सामना फिल्मों में 'खलनायक' पर 'वास्तव' में 'धुरंधर'

Sanjay Dutt 67th Birthday: बॉलीवुड के सबसे चहेते सितारों में एक माने जाने वाले संजय दत्त आज (29 जुलाई) को अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर एक नजर डालिए संजू बाबा के करियर और पर्सनल लाइफ में हुए उतार-चढ़ाव पर किसी आम आदमी से पूछेंगे तो उसे यह पुरजोर यकीन होता है कि सितारों का जीवन बेहद सुख और चैन से भरा हुआ होता है। वहीं कुछ स्टार किड्स तो ऐसे होते हैं जिनके लिए कहा जाता है कि वो चांदी की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए हैं। मगर फिल्मी दुनिया में भी कई ऐसे सितारे रहे हैं जिनकी निजी जिंदगी संघर्षों से भरी रही। कुछ ऐसा उतार-चढ़ाव भरा, फिल्म जीवन रहा अभिनेता संजय दत्त का। उनकी इस कहानी में मां का साथ छूटने का गम है। दिल टूटने का दर्द है

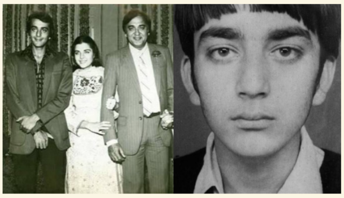

अभिनेता सुनील दत्त और अभिनेत्री नरगिस दत्त के बेटे संजय बलराज दत्त का जन्म 29 जुलाई 1959 को हुआ। बेटे के जन्म से पहले सुनील और नरगिस ने 'शमा' नाम की एक मैगजीन के जरिए फैंस से अपने बेटे के नाम के लिए सुझाव मांगे।

Guru Purnima: कभी सपनों को दी उड़ान कभी जीना सिखाया इन फिल्मों ने समझाया गुरु का महत्व

Guru Purnima Special: भारतीय संस्कृति में गुरु का महत्व बहुत अधिक है। गुरु की तुलना ईश्वर से की गई है। गुरु के प्रति अपने समर्पण, श्रद्धा को व्यक्त करने के लिए ही हर वर्ष गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। गुरु कैसे हमारे जीवन को बदलते हैं? उनका हमारे जीवन में क्या महत्व है? इस बात को कई फिल्मों में भी अभिव्यक्त किया गया है। आज गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई 2026) के खास मौके पर जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों के बारे में। गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय। संत कबीर दास के इस दोहे में गुरु के महत्व को बहुत ही सुंदरता से व्यक्त किया गया है। गुरु को वह माध्यम बताया गया है,

जो ईश्वर से मिलवाने का रास्ता बताते हैं। यह बात पूर्णत सत्य है कि गुरु ही हमारे जीवन की दिशा बदलते हैं, हमें सफलता की राह दिखाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी गुरु या शिक्षण की ऐसी ही छवि कई बार देखने को मिली है। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'चक दे इंडिया(2007)' को शिमित अमीन ने निर्देशित किया था। यह फिल्म एक ऐसे हॉकी कोच की कहानी थी, जो एक महिला हॉकी टीम को तैयार करता है। इस कहानी में कोच का रोल शाहरुख खान ने निभाया था।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को 18 साल पूरे मनाया गया जश्न इवेंट में साथ दिखे जेठालाल-बापूजी और पोपटलाल

18 Years Of Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah: टेलीविजन के चर्चित सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' 18 साल का सफर पूरा कर चुका है। इस मौके पर मेकर्स ने जश्न मनाया। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सिर्फ एक सीरियल नहीं, बल्कि इमोशन बन चुका है। सीरियल का सफर साल 2008 में आज के ही दिन शुरू हुआ था। आज 28 जुलाई को इस सीरियल ने 18 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर जश्न भी भव्य मनाया गया। मेकर्स ने इवेंट आयोजित किया। जहां, जेठा लाल यानी दिलीप जोशी, बापू जी (अमित भट्ट) और पोपटलाल (श्याम पाठक) को एक साथ देखा गया। साथ नजर आए जेठालाल-बापूजी और पोपटलाल

शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को देखते हुए एक पूरी पीढ़ी बड़ी हो गई है। आज भी यह पसंदीदा शो बना हुआ है। पूरा परिवार साथ बैठकर इसका लुत्फ उठाता है। सीरियल के 18 साल पूरे होने पर जश्न मनाया गया, जहां सीरियल की कास्ट शामिल हुई। इवेंट में जेठा लाल, पोपटलाल और बापूजी साथ नजर आए। इस दौरान तीनों ने पैप्स को पोज दिए।

बापूजी' का वीडियो वायरल

इस आइकॉनिक सीरियल में बापूजी का किरदार एक्टर अमित भट्ट निभाते हैं। उनकी उम्र 53 वर्ष है। शो में अपने ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वे टोपी का सहारा लेते हैं। इसी के जरिए वे अपने काले बाल छिपाते हैं। एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बबीता जी को क्यों आया गुस्सा?

इसी बीच अभिनेत्री मुनमुन दत्ता का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है। 'तारक मेहता' में मुनमुन को बबीता जी की भूमिका में देखा जाता है। वायरल वीडियो में वे पैपराजी पर नाराज होती दिख रही हैं। सीरियल को 18 साल पूरे होने पर निर्माता असित मोदी ने पोस्ट साझा कर खुशी जताई है। उन्होंने लिखा, '18 साल!

Aaj Ka Rashifal 19 July

इन 5 राशि के लोगों को मिलेगी सफलता नई नौकरी की इच्छा होगी पूरी

Rashifal 29 July 2026: जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, मकर और कुंभ राशि वालों के लिए करियर, कारोबार, धन, स्वास्थ्य, प्रेम और पारिवारिक जीवन से जुड़ी ज्योतिषीय भविष्यवाणियां।

Rashifal 29 July 2026: 29 जुलाई 2026 का दिन कुछ राशियों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज का दिन आपकी काम को लेकर चल रही परेशानियां भी दूर करेगा। वहीं कुछ जातकों को धैर्य से काम लेना होगा और वाणी की कोमलता का खास ध्यान रखें। आइए 29 जुलाई के दैनिक राशिफल को विस्तार से जानते हैं।

आज का दिन खर्चों पर काबू रखने की चुनौती देगा। नौकरी और पैसों के मामलों में व्यस्तता रहेगी और कुछ अनचाहे खर्चों को मजबूरी में उठाना पड़ सकता है। संतान की सेहत चिंता का कारण बन सकती है और पारिवारिक मामले भी मन को बेचैन करेंगे

मेष

आज का दिन खर्चों पर काबू रखने की चुनौती देगा। नौकरी और पैसों के मामलों में व्यस्तता रहेगी और कुछ अनचाहे खर्चों को मजबूरी में उठाना पड़ सकता है। संतान की सेहत चिंता का कारण बन सकती है और पारिवारिक मामले भी मन को बेचैन करेंगे। घूमते-फिरते किसी महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंचना संभव है और बिजनेस में बदलाव आपके लिए लाभदायक साबित होंगे।

वृषभ

आज आपके मन में किसी काम को लेकर हलचल बनी रहेगी। मेहनत पर भरोसा रखकर आगे बढ़ें। सामाजिक गतिविधियों में रुचि रहेगी और गुस्से को कंट्रोल करना जरूरी होगा। अनजान लोगों से दूरी बनाकर चलें। बिजनेस में समस्या आए तो पार्टनर से खुलकर बात करें, तभी काम सुचारू रूप से आगे बढ़ पाएगा।

मिथुन

आज दिन व्यस्तता और काम के दबाव से भरा रहेगा। जरूरी काम कल पर टालने से बचें। पारिवारिक मामलों को बैठकर निपटाना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ नए काम की शुरुआत आपके लिए उत्साहजनक होगी। मन में किसी बात की परेशानी है तो पिताजी से साझा करें। रुका काम पूरा होने की संभावना है। आस-पड़ोस में बिना मांगे सलाह देने से बचें।

कर्क

आज जिम्मेदारी का दिन है। नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा और निवेश में लाभ संभव है। खान-पान में सुधार करें और लापरवाही से बचें। मन की इच्छाओं की पूर्ति खुशी देगी। वैवाहिक जीवन में संतुलन रहेगा और काम की भाग-दौड़ बनी रहेगी।

कन्या

आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरतों के लिए लाभकारी रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि और आर्थिक सफलता मिलने की संभावना है। नौकरी के लिए अच्छा ऑफर मिल सकता है। माता-पिता से संपत्ति को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। वाणी पर संयम रखें और यात्रा से लाभ मिल सकता है।

सिंह

आज चुनौती भरा दिन है। दोस्तों और परिवार का पूरा साथ मिलेगा। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी और लंबी दूरी की यात्रा का योग बन सकता है। काम समय पर निपटाना आवश्यक है। दूर रहे परिजन याद आएंगे और विद्यार्थी नौकरी से जुड़े कोर्स की तैयारी कर सकते हैं।

तुला

आज मिश्रित परिणाम मिलेंगे। ईर्ष्या-द्वेष से बचें और दबाई गई शारीरिक समस्या को नजरअंदाज न करें। सगे संबंधियों से मिलने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी से चल रही अनबन दूर होगी और दोनों मिलकर कहीं घूमने भी जा सकते हैं।

वृश्चिक

आज भाग्य आपका साथ देगा। मेहनत का फल मिलेगा और इन्कम बढ़ाने के स्रोतों पर ध्यान देना लाभदायक रहेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। अनबन बातचीत से दूर होगी। भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा और मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

धनु

आज दिन अनुकूल रहेगा। धार्मिक आयोजनों में सम्मिलित होंगे। राजनीति में काम कर रहे लोगों को ज्यादा उत्साहित न होना चाहिए। रहन-सहन सुधारने की कोशिश करेंगे और खान-पान में नई चीजें शामिल कर सकते हैं। कामों में बदलाव न करें और पुरानी कड़वाहट को बातचीत से दूर करने का प्रयास करें।

मकर

आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। नए काम की शुरुआत सोच सकते हैं। अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। साझेदारी में नया काम शुरू हो सकता है। साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत होगा। पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

कुंभ

आज का दिन खास रहेगा। दांपत्य जीवन में तालमेल बनाए रखें। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। विरोधी काम में बाधा डालेंगे, लेकिन सफलता आपके कदम चूमेगी। संतान पर ध्यान दें। घूमने जाने की योजना बन सकती है। नौकरी में समस्या हो तो नए विकल्प पर विचार कर सकते हैं।

मीन

आज आपकी कोई मनोकामना पूरी हो सकती है। जीवनसाथी के लिए गिफ्ट लाने का मौका मिलेगा। माता-पिता की सेवा में समय निकालेंगे। कार्यक्षेत्र की समस्या को लेकर बॉस से बातचीत करने से रिश्ते मजबूत होंगे। वाहन सावधानी से चलाएं। बिजनेस को विस्तार देने के प्रयास में रहेंगे।

Aaj Ka Love Rashifal

इन 3 राशि वालों को मिलेगा लाइफ पार्टनर जीवन में आएगा बड़ा बदलाव

Love Rashifal: आज का दिन आपके प्रेम जीवन के लिए कैसा रहेगा ? आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का 29 जुलाई 2026 का लव राशिफल।

Today Love Horoscope 29 July: आज का दिन प्रेम संबंधों के लिए मिला-जुला रहने वाला है। कुछ राशियों के रिश्तों में प्यार और आपसी समझ बढ़ेगी, तो कुछ लोगों को छोटी-छोटी बातों पर मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। आइए आज का लव राशिफल जानते हैं।

Sawan 2026

इन 3 राशि वालों की पूरे सावन चमकेगी किस्मत करियर से लेकर निवेश तक मिलेंगे मनचाहे परिणाम

Sawan 2026: सावन में कुछ राशियों पर भगवान शिव की कृपा के साथ-साथ ग्रहों का भी विशेष आशीर्वाद बना रहेगा। आइए इनके नाम जानते हैं।

Sawan 2026: 30 जुलाई 2026 से सावन माह की शुरुआत हो रही है। इस बार सावन में कई महत्वपूर्ण ग्रह गोचर भी होने वाले हैं, जिनका असर सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। बता दें, 2 अगस्त 2026 को मंगल मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, बुध 5 अगस्त को कर्क और 22 अगस्त को सिंह राशि में गोचर करेंगे। सिंह राशि में पहले से ही सूर्य विराजमान रहेंगे, जिससे बुधादित्य योग का निर्माण भी होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से ग्रहों के ये संयोग कुछ राशि वालों के लिए बेहद शुभ रहने वाले हैं। जातकों को कार्यों में मनचाही सफलता से लेकर शिक्षा क्षेत्र में मनचाहे रिजल्ट की प्राप्ति संभव है। ऐसे में पूरे सावन भगवान शिव की कृपा के साथ-साथ जातकों पर ग्रहों का भी विशेष आशीर्वाद बना रहेगा। आइए इन लकी राशियों के नाम जानते हैं।

August Horoscope 2026

खुशियों से भरा रहेगा इन 4 राशि वालों के लिए अगस्त करियर में मिलेगी बड़ी सफलता

August Horoscope 2026: अगस्त महीना इन चार राशि वालों के लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपको मनचाहा लाभ मिलने की अधिक संभावनाएं हैं। परिवार में तनाव की स्थितियां दूर होंगी और करियर में भी स्थिरता आएगी।

August Horoscope 2026: अगस्त 2026 की शुरुआत कई महत्वपूर्ण ग्रहों के राशि परिवर्तन के साथ होगी। महीने के आरंभ में शुक्र और मंगल अपनी-अपनी राशियां बदलेंगे। इसके अलावा सूर्य भी अपनी स्वराशि सिंह में गोचर करेंगे, जिससे उनका शुभ प्रभाव और अधिक बढ़ेगा। इसके प्रभाव से कई राशियों के लिए उन्नति और सफलता के नए अवसर बनेंगे। इसके अलावा सावन, हरियाली तीज और रक्षाबंधन का पावन संयोग जातकों को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगा। हालांकि सभी 12 राशियों पर इसका असर अलग-अलग रहेगा, लेकिन चार राशियों के लिए यह महीना विशेष रूप से शुभ रहने की संभावना है। जातकों को खुशखबरी और करियर में मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होगी। आइए इन लकी राशियों के नाम जानते हैं।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए अगस्त खुशियां और सफलता लेकर आ सकता है। आय में वृद्धि और धन लाभ के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। इस माह लंबे समय से रुके कार्य पूरे होने की संभावना रहेगी। प्रेम जीवन की बात करेंगे, रिश्तों में नयापन आएगा और आप स्वयं को भाग्यशाली महसूस करेंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए यह महीना बेहद शुभ रहेगा। सूर्य का आपकी ही राशि में प्रवेश आत्मविश्वास और सफलता में वृद्धि करेगा। कार्यक्षेत्र में मनचाहे परिणाम मिल सकते हैं। अधिकारियों का साथ और मेहनत आपको प्रमोशन प्रदान कर सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन में भी खुशियों का माहौल बना रहेगा।

BCCI: श्रीलंका दौरे से पहले बीसीसीआई ने लिया बड़ा फैसला

कोचिंग स्टाफ से इन दो लोगों की छुट्टी क्या रहा कारण?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे और फील्डिंग कोच टी. दिलीप को कार्यकाल विस्तार नहीं देने का फैसला किया है। श्रीलंका दौरे से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारत को अगले महीने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करना है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। टीम के सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे और फील्डिंग कोच टी. दिलीप का करार नहीं बढ़ाया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की है कि डस्काटे और दिलीप के अनुबंध समाप्त हो गए हैं और इन्हें विस्तार नहीं दिया जा रहा है। बीसीसीआई ने साफ किया है कि इन दोनों में से किसी भी कोच को उनके कार्यकाल में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। टी दिलीप के हटने के बाद अब भारतीय टीम के लिए नए फील्डिंग कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जानकारी दी है कि बोर्ड भारतीय पुरुष टीम के लिए एक नया फील्डिंग कोच फाइनल करने के लिए फिलहाल दो या तीन नामों पर विचार कर रहा है और उनसे बातचीत चल रही है। भारत के टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद जब गौतम गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह मुख्य कोच का पद संभाला, तब डस्काटे भारतीय सपोर्ट स्टाफ में शामिल हुए थे। गंभीर के भरोसेमंद साथियों में से एक माने जाने वाले इस पूर्व ऑलराउंडर ने टीम के कोचिंग ग्रुप के हिस्से के तौर पर बल्लेबाजी और फील्डिंग दोनों विभाग में योगदान देते हुए सेटअप के कई क्षेत्रों में काम किया। हाल ही में भारत को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 सीरीज दौरे पर टी20 सीरीज गंवानी पड़ी थी और इससे बीसीसीआई पर दबाव आया था। अब डस्काटे और दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ाने के बाद इस चर्चा ने जोर पकड़ा है कि क्या बोर्ड ने टीम नीदरलैंड्स के पूर्व कप्तान डस्काटे के एक बार फिर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ने की उम्मीद है, जहां वह कोचिंग स्टाफ में नई भूमिका निभाते नजर आएंगे। बतौर खिलाड़ी वह केकेआर की उन टीमों का हिस्सा थे, जिन्होंने 2012 और 2014 का खिताब अपने नाम किया था। बाद में 2022 में वह फील्डिंग कोच के तौर पर इस फ्रेंचाइजी में लौटे। वह 2024 तक कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे। इस दौरान मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित और मेंटर गौतम गंभीर की देखरेख में टीम ने एक और चैंपियनशिप जीती। कोलकाता फ्रेंचाइजी में उनकी संभावित वापसी के साथ ही डस्काटे की अभिषेक नायर के साथ फिर से जोड़ी बनेगी। दोनों इससे पहले केकेआर में सहायक कोच के रूप में साथ काम कर चुके हैं। सूत्रों के अनुसार भारत की महिला टीम और भारत-ए के पूर्व सहयोगी सदस्य शुभदीप घोष इस पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके टी. दिलीप तथा डस्काटे की जगह लेने की संभावना है। सैकिया ने कहा, सहायक कोच डस्काटे का भारतीय पुरुष टीम के साथ दो वर्ष का अनुबंध 10 जून को समाप्त हो गया था तो वहीं एक वर्ष का विस्तार पाने वाले फील्डिंग कोच टी. दिलीप का अनुबंध आठ जून को खत्म हो गया। बीसीसीआई ने दोनों को भारत के ब्रिटेन दौरे के समाप्त होने तक टीम के साथ बनाए रखा। के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद ये फैसला लिया है?

Team India: रेयान टेन डस्काटे ने भारतीय टीम से क्यों जुदा की राहें? आईपीएल की इस टीम में आ सकते हैं नजर

भारतीय टीम के सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे का कार्यक्रम खत्म हो गया है। डस्काटे अब भारतीय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा नहीं हैं। भारत को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है, उससे पहले ही डस्काटे और भारतीय टीम की राहें अलग हो गई हैं। रेयान टेन डस्काटे का भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच के रूप में कार्यकाल खत्म हो गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय टीम के साथ उनका दो साल का जुड़ाव समाप्त हो गया है। नीदरलैंड्स के पूर्व कप्तान डस्काटे के एक बार फिर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ने की उम्मीद है, जहां वह कोचिंग स्टाफ में नई भूमिका निभाते नजर आएंगे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के मुताबिक, डस्काटे ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में टीम इंडिया की हार के कुछ समय बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अपने फैसले के बारे में बताया। उ उस समय टीम इंग्लैंड में ही थी। डस्काटे का जाना बीसीसीआई के साथ उनके शुरुआती करार के खत्म होने पर हुआ है। माना जा रहा है कि यह करार जुलाई 2024 से जुलाई 2026 के मध्य तक चला और इसी महीने खत्म हो गया। भारत के टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद जब गौतम गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह मुख्य कोच का पद संभाला, तब डस्काटे भारतीय सपोर्ट स्टाफ में शामिल हुए थे। गंभीर के भरोसेमंद साथियों में से एक माने जाने वाले इस पूर्व ऑलराउंडर ने टीम के कोचिंग ग्रुप के हिस्से के तौर पर बल्लेबाजी और फील्डिंग दोनों विभाग में योगदान देते हुए सेटअप के कई क्षेत्रों में काम किया

उनके कार्यकाल के दौरान, भारत को सीमित ओवर के क्रिकेट में बड़ी सफलता मिली। टीम इंडिया ने एशिया कप 2025 और फिर 2026 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, इसी दौरान टेस्ट टीम को मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दी और इसके बाद घरेलू सीरीज में लगातार हार का सामना किया, जिसमें न्यूजीलैंड से 0-3 और दक्षिण अफ्रीका से 0-2 की हार शामिल है, उस समय टीम सबसे लाल गेंद के प्रारूप में बदलाव के दौर से गुजर रही थी। यह कदम डस्काटे के लिए जाने-पहचाने माहौल में वापसी जैसा है, क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ उनका जुड़ाव एक दशक से भी पुराना है।

Asian Games: क्वार्टर फाइनल से अभियान की शुरुआत करेंगे भारत-पाकिस्तान जानें एशियाड में क्रिकेट का कार्यक्रम

भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। पुरुष टीम को पाकिस्तान की तरह सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिया गया है। मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष तथा महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा।

सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच एक अक्तूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रुप बी में हांगकांग, चीन, मलयेशिया और ओमान शामिल होंगे। दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारूप में खेली जाएंगी।

श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था। श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल*

IND vs ENG: कोहली-अय्यर के अर्धशतक पड़े फीके

रूट ने इंग्लैंड को दिलाई शानदार जीत सीरीज 1-1 की बराबरी पर

जो रूट की नाबाद 99 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। भारत की ओर से विराट कोहली (65) और श्रेयस अय्यर (66) ने अर्धशतक लगाए, लेकिन रोहित शर्मा की खराब फॉर्म और मध्यक्रम के बिखरने से टीम सिर्फ 233 रन ही बना सकी। जो रूट की शानदार नाबाद 99 रन की पारी के दम पर इंग्लैंड ने गुरुवार को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। अब सीरीज का फैसला रविवार को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम मुकाबले में होगा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को जल्दी आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथल को चलता किया। हैरी ब्रूक भी सिर्फ 16 रन बनाकर गुरनूर बराड़ का शिकार बने। एक समय इंग्लैंड का स्कोर 125/5 था, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने संयम के साथ पारी को संभाला। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ छठे विकेट के लिए 72 रन की अहम साझेदारी की और टीम को जीत तक पहुंचाया। रूट ने 133 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए। वह शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए, लेकिन गस एटकिंसन ने विजयी चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

ICC Player of the Month: आईसीसी ने किया जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का एलान किन प्लेयर्स ने जीते अवॉर्ड?

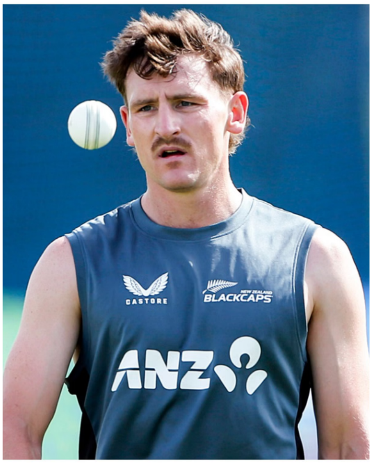

आईसीसी ने जून 2026 के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स का एलान करते हुए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज को सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों ने क्रमशः इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और महिला टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जून 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।

नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड में रचा इतिहास

27 वर्षीय नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में न्यूजीलैंड की सफलता में अहम भूमिका निभाई। टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद स्मिथ ने नई गेंद से जिम्मेदारी संभाली और पूरी सीरीज में 23 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा।

लॉर्ड्स टेस्ट में किया यादगार प्रदर्शन

स्मिथ का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पहले टेस्ट में लॉर्ड्स पर देखने को मिला, जहां उन्होंने दूसरी पारी में 6/70 विकेट लेकर मैच में कुल नौ विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक विकेट लेने के अलावा 38 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं निर्णायक तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 4/91 और दूसरी पारी में दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक सीरीज जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। अवार्ड मिलने पर स्मिथ ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उनकी प्राथमिकता हमेशा टीम की जीत में योगदान देना रही है।

महिला वर्ग में इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी व्यॉट-हॉज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी के दम पर यह पुरस्कार अपने नाम किया। नवंबर 2024 के बाद यह दूसरा मौका है जब उन्हें आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है उन्होंने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी को पछाड़कर यह सम्मान हासिल किया।।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300